Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh
Date- Class - VI
Subject- Hindi Language Page- 1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - आमोद : 6
उपविषय - अपठित गद्यांश

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ-20 'अपठित गद्यांश' कक्षा छठी की हिन्दी व्याकरण की पाठ्यपुस्तक आमोद भाग-6 की पृष्ठ संख्या - 116 में दिया गया है। यह पाठ आपको 11 अप्रैल, 2021 को भेजा जाएगा।

प्यारे बच्चो! आज हम इस पाठ में 'अपठित गद्यांश' के बारे में पढ़ेंगे। इसलिए सभी बच्चे अपने पास हिन्दी की एक अभ्यास पुस्तिका भी रख लें, क्योंकि मैं आपको पाठ के दौरान कुछ कार्य लिखने के लिए भी दूँगी। बच्चो! अब मैं आपको 'अपठित गद्यांश' के बारे में समझाने जा रही हूँ। सभी बच्चे इसे ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे एवं समझेंगे।

बच्चो! अपठित का अर्थ है 'जो पहले पढ़ा न गया हो + गद्यांश (गद्य का अंश) अर्थात् गद्य का ऐसा अंश जिसे पहले न पढ़ा गया हो। ऐसा गद्यांश देकर उस पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। इससे छात्रों की रचनात्मक कौशल एवं समझने की योग्यता का विकास होता है। साधारणत: हम पाठ्यपुस्तकों के गद्यांशों को पढ़ते व समझते हैं, जिससे गद्यांशों को समझने व उनसे संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने की योग्यता का विकास होता है। इस योग्यता को और अधिक विकसित करने व सामान्य ज्ञान बढ़ाने के लिए अपठित गद्यांश का

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date- Class - VI
Subject- Hindi Language Page - 2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

अभ्यास करवाया जाता है। कभी - कभी दिए गए अवतरण का शीर्षक भी लिखने के लिए कहा जाता है।

अपठित गद्यांश के संबंध में ध्यान देने योग्य प्रमुख बातें -

1. दिए गए गद्यांश को एक या दो बार ध्यान से पढ़ना चाहिए, जिससे उसका स्थूल भाव स्पष्ट हो सके।
2. गद्यांश को पुन: पढ़ते समय विशिष्ट बातों को रेखांकित कर लेना चाहिए।
3. उत्तर को ज्यादा विस्तार देने की आवश्यकता नहीं होती। उत्तर की भाषा सरल, सहज और व्यावहारिक होनी चाहिए।
4. गद्यांश का शीर्षक देते समय संक्षिप्तता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। शीर्षक ऐसा होना चाहिए, जिससे गद्यांश का स्थूल भाव स्वयं स्पष्ट हो सके।

बच्चो! अपठित गद्यांश का परीक्षा में बहुत महत्व होता है क्योंकि इसमें अधिक अंक का हिस्सा समाहित होता है।

बच्चो! मैंने आपको अपठित गद्यांश के बारे में समझा दिया है। अब मैं आपसे इस पर आधारित कुछ प्रश्न पूछूँगी। अब आप यहाँ तीन मिनट का अंतराल लेंगे और इन प्रश्नों के उत्तर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न - 1. अपठित गद्यांश का शाब्दिक अर्थ लिखिए।
प्रश्न - 2. अपठित गद्यांश से किस कौशल का विकास होता है?
प्रश्न - 3. गद्यांश का शीर्षक देते समय किस बात का ध्यान रखना चाहिए?

Scanned with CamScanner

Date - Class- VI
Subject- Hindi Language Page - 3
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

बच्चो! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हो गया है। अब मैं आपको इनके उत्तर बताऊँगी।

उत्तर-1. गद्यांश का ऐसा अंश जो पहले न पढ़ा गया हो।

उत्तर 2. रचनात्मक कौशल

उत्तर - 3 शीर्षक देते समय संक्षिप्तता का ध्यान रखना चाहिए।

बच्चो! आज इस पाठ में हम एक गद्यांश करना सीखेंगे। सभी बच्चे इसे ध्यानपूर्वक सुनेंगे एवं समझेंगे।
बच्चो! नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

राजा अकबर के दरबार में बीरबल उनका पसंदीदा दरबारी था। अकबर के सामने कोई भी समस्या आती तो, बीरबल से समस्या हल करने के लिए कहा जाता था। बीरबल अपनी तीव्र बुद्धि और हाजिरजवाबी से उन समस्याओं को आसानी से हल कर दिया करता था। एक दिन अकबर के दरबार में एक साहूकार आया और उसने अपने घर में चोरी हो जाने की दुहाई दी। इस पर बीरबल ने पूछा, "क्या तुम्हें इस चोरी का किसी पर शक है ?" साहूकार ने उत्तर दिया, "अपने चार सेवकों पर, लेकिन मुझे यह नहीं पता कि यह चोरी किसने की है।" बीरबल ने उन चारों सेवकों को दरबार में बुलाए जाने का आदेश दिया। चारों सेवक अकबर के दरबार में हाजिर हो गए। फिर बीरबल ने प्रत्येक सेवक को एक-एक छड़ी दी और कहा, "ये जादुई छड़ियाँ हैं। चोर की छड़ी की लंबाई अपने आप एक घंटे में पाँच इंच बढ़ जाएगी।" फिर बीरबल ने उन चारों सेवकों को एक घंटे तक महल के अलग-अलग कमरे में रखे जाने का आदेश दिया। अपनी छड़ी की लंबाई बढ़ जाने के डर से चोर ने उसे काटकर पाँच इंच छोटा कर दिया। एक घंटे बाद चारों सेवकों को दरबार में बुलाया गया। फिर बीरबल ने घोषणा की कि सबसे छोटी छड़ी वाले सेवक ने वह चोरी की है। यह सुन सभी लोग अचंभित हो गए। फिर बीरबल ने राजा अकबर को समझाया, "महाराज, निर्जीव छड़ी बढ़ नहीं सकती। चोर ने अपने अपराध बोध में इस बात पर विचार नहीं किया और अपनी छड़ी को काटकर छोटा कर दिया।" बीरबल की इस बुद्धिमत्ता और निर्णय से राजा अकबर बहुत प्रसन्न हुए। चोर को कारावास का दंड दिया गया और साहूकार को भी उसका धन वापस मिल गया।

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date- Class - VI
Subject- Hindi Language Page - 4
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

प्रश्न -1. बीरबल कौन था ?
प्रश्न -2. साहूकार ने क्या शिकायत की ?
प्रश्न -3. साहूकार के कितने सेवक थे ?
प्रश्न -4. बीरबल ने चोर का पता कैसे लगाया ?
प्रश्न -5. बीरबल ने राजा अकबर को क्या समझाया ?

नोट :- बच्चो ! आप इस गद्यांश को दो - तीन बार ध्यान-पूर्वक पढ़ेंगे और फिर इसके प्रश्नों के उत्तर स्वयं सोच समझ कर अपनी हिन्दी व्याकरण की उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे । आशा है आपको आज का पाठ अच्छे से समझ आ गया होगा।

धन्यवाद !

Last page.

Scanned with CamScanner